

पीपासर रा राज बीरा जग में परचा भारी भजन लिरिक्स



पीपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी ।

दोहा – समराथल सो थल नहीं,
मंदिर जेड़ा मुकाम,
जांभोलाव सो सरवर नहीं,
जहाँ सन्त करे विश्राम ।

पीपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी ।bd।

जिला जोधपुर गाँव पीपासर,
आप लियो अवतारी,
माँ हंसा थाने गोद खिलाया,
पिता लोहट जात पँवारी ।
पीपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी ।bd।

सखियां मंगल गाय गाय ने,
गढ़ सुदी मंगवाई,
गुडिया रो अभिमान मिटायो,
पीपासर रे माई ।
पीपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी ।bd।

सेस के घर आप पधारे,
घर सेसे की नारी,
जोगी रो थे वेश बनायो,
समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल
एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



पिपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी।bd।

विश्वनोई थारी करे सेवना,
इण कलजुग रे माई,
गोरधन थारे धोरे आयो,
गुरु चरणा में लेई।
पिपासर रा राज बीरा,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी।bd।

पीपासर रा राज बीरां,
जग में परचा भारी,
भगता रे बेगा आओ,
म्हारा जम्भेश्वर अवतारी।bd।

गायक – गोरधन विश्वनोई नांदिया प्रभावती।
प्रेषक – रामेश्वर लाल पँवार।
आकाशवाणी सिंगर।
9785126052
